हरिभूमि
संस्कारधानी भूमि
रायपुर, गुरुवार 23 अक्टूबर 2025
राजनांदगांव | कवर्धा | डोंगरगांव | अं. चौकी | मोहला | मानपुर | छुरिया| डोंगरगढ़| खैरागढ़ | छुईखदान | गंडई | पंडरिया | पांडातराई | स लोहरा | बोड़ला | कुण्डा| कोलेगांव

घर, दुकान और दफ्तर के आंगन में बनी रंगोलियां, मिठाई दुकानों में रही ग्राहकों की भीड़, मुहूर्त देखकर लोगों ने की लक्ष्मी पूजन

दो दिन दिखा दिवाली का उत्साहः पहले दिन पूजा-अर्चना का चला दौर दूसरे दिन लोगों ने एक-दूसरे को मिलकर दी बधाई, जमकर फूटे पटाखे

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

अंचल में दीपावली हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। दो दिन अमावस्या का लोगों ने भी लाभ उठाया, जहां पहले दिन सोमवार को अमावस्या की रात लक्ष्मी पूजन की गई। वहीं दूसरे दिन अमावस्या के अवसर पर दान-पुण्य करने के साथ ही लोगों ने एक-दूसरे को मिलकर पर्व की बधाईयां दी। हालांकि दोनों ही दिन अंचल में देर रात तक बच्चों से लेकर बड़ों ने पटाखे फोड़कर व एक-दूसरे का मुंह मीठाकर पर्व का आनंद उठाया।

दीपावली पर्व पर मां लक्ष्मी के स्वागत हेतु लोगों ने अपने घर-दफ्तर, खेत-खलिहान में आकर्षक रंगोली बनाई थी। वहीं आकर्षक विद्युत सज्जा किया था। 20 अक्टूबर की शाम घर-घर में लोगों ने दीपक जलाकर विधि-विधान से सपरिवार मां महालक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की एवं घर परिवार के लिए मंगल कामना की। तत्पश्चात अपने

परिचितों एवं रिश्तेदार को प्रसाद वितरण कर पर्व का आनंद उठाया एवं एक-दूसरे को बधाइयां दी।

आतिशबाजी से बिखरी छटा

बच्चों सहित परिवार के लोगों ने इस मौके पर पटाखे फोड़कर पर्व की खुशियां जाहिर की। लोगों ने आंगन एवं सड़कों पर पटाखों की लड़ियां जलाई। जिससे आसमान में भी आतिशबाजी की रंग-बिरंगी छटा बिखरती रही। शहर सहित ग्रामीण इलाकों के लोगों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर एवं एक-दूसरे से मिलकर पर्व की खुशियां बांटी। दीपावली पर्व के बाद से लगातार पर्वों का क्रम बना हुआ है, जिसे परंपरागत ढंग से मनाने के लिए लोग जुटे हुए हैं।

बाजार की बढ़ी रौनक

ज्ञात हो कि दीवाली पर्व के लिए बाजार में महीनेभर से लोगों ने जमकर खरीदारी की एवं इस दौरान पूजा सामग्रियों के अलावा कपड़े, ज्वेलरी, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक आईटम एवं आवश्यक सामग्रियों के अलावा साज-सजावट की सामग्री, रंगोली, दीये, पटाखों, मिठाई इत्यादी की मांग लोगों के बीच रही। बाजार में रौनक देखते ही बनती थी। लोगों की बड़ी संख्या में खरीदी के लिए बाजार में उपस्थिति से सुबह से लेकर देर शाम तक यातायात का जबर्दस्त दबाव बना रहा।

शुरू होंगे मंडई-मेले का दौर

इधर अब दीपावली पर्व के बाद गांव-गांव में मातर मंडई का माहौल शुरू हो जाएगा। कल शहर के पुराना बस स्टैंड काली माई मंदिर में मंडई की शुरूआत होगी। इसके बाद लगातार गांव-गांव में मंडई-मेला, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर रहेगा। इस दौरान जहां ग्रामीणों के बीच व्यस्तता रहेगी। वहीं जिलेभर में मंडई-मेले में घूम-घूमकर व्यवसाय करने वाले व्यापारियों में व्यस्त एवं उत्साह का माहौल रहेगा। इस बीच धान कटाई और धान को सुरक्षित रखने के लिए भी किसानों में व्यस्तता का आलम रहेगा।

खबर संक्षेप

पुलिस स्मृति दिवसः वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

राजनांदगांव। रक्षित आरक्षित केन्द्र राजनांदगांव में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर भारत माता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों की याद में शहीद दिवस परेड का आयोजन किया गया। 21 अक्टूबर को पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज अभिषेक शांडिल्य द्वारा इस वर्ष 2024-2025 में अपने कर्तव्य के दौरान शहीद हुए 191 अधिकारियों पुलिसकर्मियों के नाम का वाचन किया गया। जिसमें से छत्तीसगढ़ के 16 पुलिस जवानों ने राष्ट्र और समाज की रक्षा के लिए अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते देश के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर शहीद हुए हैं। शहीद परेड में शहीदों को सलामी दी गई। साथ ही इन वीर शहीदों को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में श्रद्धासुमन अर्पित की गई। उपस्थित शहीदों के परिवार का कुशलक्षेम लेकर शाल एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर महापौर एवं पूर्व सांसद मधुसूदन यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव, आईजी रेंज अभिषेक शांडिल्य, पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, पुलिस अधीक्षक खैरागढ़-छुईखदान-गंड़ई लक्ष्य शर्मा, जिला पंचायत सीईओ सुरूचि सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा, उपसेनानी आईटीबीपी जीन जेम्स, एसडीओपी तनुप्रिया ठाकुर, एसडीओपी दिलीप सिसोदिया, डीएसपी (ऑप्स) अम्ब्रोस कुजुर, रक्षित निरीक्षक लोकेश कुमार कसेर, गणमान्य नागरिकगण और शहीद परिवारों द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में लगी रही घायलों की भीड़

घटनाओं से भरी रही दीपावलीः दो दिनों में 70 से अधिक सड़क हादसे, शहर में चार जगह आगजनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

दीपावली के अवसर पर एक्सीडेंट के अधिक मामले सामने आए हैं। वहीं पटाखों से मामूली रूप से जलने के एक-दो मामले ही हुए हैं।

दीपावली पर्व के दौरान तीन सवारी और नशे में वाहन चलने से दुर्घटनाएं बढ़ी। जिसमें एक्सीडेंट से घायल होने वाले लोगों की संख्या 6 दर्जन से अधिक रही। शहर के मेडिकल कॉलेज अस्पताल की बात की जाए तो यहां 20 अक्टूबर को लगभग 30 मामले एक्सीडेंट के आए। वहीं 21 अक्टूबर को इसमें इजाफा होते हुए लगभग 40 मामले सड़क दुर्घटना में घायल लोगों के पहुंचे, जहां उनका उपचार किया गया। वहीं जिला अस्पताल में भी लगभग 5-6 मामले एक्सीडेंट से घायल होने के पहुंचे। वहीं पटाखों से जलने के दो-तीन मामले ही आए। दीपावली पर्व के दौरान शराब दुकानों में काफी भीड़ देखी गई। शहर के चिखली और पेन्ड्री क्षेत्र की दुकानों में अधिक भीड़ देखी गई। इस दौरान कई जगहों पर शराब कोचिये भी सक्रिय नजर आए। बताया जा रहा है कि शराब दुकानों से कोचियों को अधिक शराब दिया गया।

“ एक तरफ जहां कार्तिक अमावस्या के अवसर पर देशभर में धूमधाम से दीवाली का पर्व मनाय गया। वहीं इस दौरान बड़ी संख्या में हादसे भी देखने को मिले। सरकारी अस्तपाल के आंकड़ों के अनुसार शहर में ही दो दिनों के भीतर 70 से अधिक सड़क हादसे दर्ज किए गए। वहीं चार स्थानों में आगजनी की घटनाएं सामने आई। इनमें पटाखों से आग लगने की जानकारी सामने आई है। हालांकि राहत यह रही कि किसी भी सड़क हादसे में मौत की खबर सामने नहीं आई है।

अस्पताल में उपचार जारी

मेडिकल कॉलेज अस्पताल और जिला अस्पताल में लगभग 6 दर्जन एक्सीडेंट के मामले पहुंचे हैं। जिसमें से अधिकांश मामलों में तीन सवारी वाहन चलाने वाले शामिल हैं । वहीं तेज रफ्तार और शराब सेवन कर वाहन चलाकर दुर्घटना के मामले भी आए हैं। जिनमें कुछ मामले में मामूली और कुछ लोगों को गंभीर चोटें आई है। जिनका उपचार मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जारी।

अस्पताल में थी तैयारी

दीपावली पर्व को देखते हुए पहले ही अस्पतालों में इमरजेंसी मामलों के लिए चिकित्सकों की ड्यूटी लगाई गई थी। वही कैजुअल्टी और बर्न यूनिट में भी इंतजाम किए गए थे। वहीं लोगों से सतर्कता के साथ पटाखे जलाने की अपील की गई थी । इस दौरान पटाखों से जलने के एक-दो मामले ही पहुंचे। वहीं एक्सीडेंट के मामले अधिक रहे।

कबाड़ी में लगी आग, दर्जनभर फायर ब्रिगेड ने छह घंटे में पाया काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

लक्ष्मी पूजा की रात शहर के तीन जगह पर और गोवर्धन पूजा की रात एक जगह आगजनी का मामला सामने आया है। इस आगजानी से लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

शहर के कंचनबाग क्षेत्र में सोमवार की रात एक कबाड़ी गोदाम में भीषण आगजानी हो गई। दमकल की कई वाहन की मदद से तड़के आग पर काबू पाया गया। इस आगजनी में लाखों का नुकसान हुआ है। कंचनबाग स्थित हासम कबाड़ी गोदाम में दीपावली की मध्य रात्रि अज्ञात कारणों से भीषण आगजनी हो गई। गोदाम से आग की लपटे उठते देख पुलिस और दमकल वाहन को सूचित किया गया। दमकल कर्मी रातभर आग बुझाने में लगे रहे। रात लगभग 11 बजे लगी आग पर तड़के काबू पाया गया। इस दौरान दमकल की कई वाहनों से आग बुझाया गया। बताया जा रहा है कि इस आगजनी में गोदाम के भीतर रखा लाखों रुपए का कबाड़ सामान जलकर खाक हो गया है। आग किस कारण से लगी इसकी जांच की जा रही है।

शहर के बीच लगी आग

शहर के भगत सिंह चौक के समीप भी एक दुकान में सोमवार की रात मामूली अगजनी हो गई। आसपास लोगों की मदद से आग बुझाया गया। वहीं एक अन्य मामले में शहर के आजाद चौक के समीप एक मकान के ऊपर छत पर अचानक आग की लपटे उठते देख लोग सकते में आ गए। बताया जा रहा है कि यहां पर कुछ झिल्लियों के सामान रखे हुए थे, जिस पर आग लगी थी। माना जा रहा है कि पटाखों की चिंगारी से आग लगी होगी।

दो मोपेड और एक कार में लगी आग

शहर के बजरंगपुर नवागांव अवंतीन चौक के समीप अज्ञात कारण से दो मोपेड वाहन और एक कार में आगजनी हो गई। बताया जा रहा है कि पहले दो मोपेड वाहन में आग उठने लगी और फिर समीप ही खड़ी एक कार भी इसकी चपेट में आ गई। इस मामले में रिपोर्ट के बाद चिखली पुलिस चौकी में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो पहिया वाहन चोरी, आरोपी पकड़ाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

ग्रामीण बैंक के सामने से बाइक चोरी करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर बाइक बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार छुरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत 16 अक्टूबर को प्रार्थी प्रमोद साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि आरोपी

राकेश कुमार चौरे 30 साल ने प्रार्थी को छुरिया के ग्रामीण बैंक के पास उधार रकम वापस करना है, बोलकर बुलाया फिर आपस में बातचीत के दौरान प्रार्थी के बाइक चाबी लगी बजाज पल्सर काला-सफेद को लेकर चोरी कर भाग गया था।

बाइक बरामद : प्रार्थी की रिपोर्ट पर चोरी का अपराध पंजीबद्ध कर बाइक एवं आरोपी का पातातलाश किया जा रहा था। प्रकरण में नामजद आरोपी व चोरी गए बाइक का पतासाजी कर छुरिया थाना स्टाफ द्वारा 22 अक्टूबर को मामले के आरोपी राकेश कुमार चौरे 30 साल साकिन बम्हनी चारभाटा थाना छुरिया हाल पता ग्राम नागतराई से चोरी का बाइक को उसके कब्जे से छुरिया-चिचोला रोड ग्राम घोघरे से बरामदगी किया गया तथा आरोपी के विरुद्ध अपराध घटित करने के साक्ष्य पाए जाने से उसे 22 अक्टूबर को गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई है।

परंपराः मंदिरों में बटी अन्नकूट प्रसादी

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

गोवर्धन पूजा के अवसर पर शहर के विभिन्न मंदिरों में अन्नकूट प्रसादी वितरण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अन्नकूट प्रसादी ग्रहण किया। शहर के कई मंदिरों में श्रद्धालुओं को टिफिन में भी अन्नकूट प्रसादी दिया गया।

प्रतिवर्ष दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा के पश्चात विभिन्न मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण को मिश्रित अन्न का भोग लगाया जाता है। इसके बाद भंडारा स्वरूप अन्नकूट प्रसादी का वितरण किया जाता है। इस वर्ष भी अन्नकूट प्रसादी वितरण को लेकर विभिन्न मंदिरों में व्यापक

तैयारियां की गई थी, जहां सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर अन्नकूट प्रसादी ग्रहण किया।

लोगों की दिखी लंबी कतार, लिया प्रसाद

प्राचीन मान्यताओं के अनुरूप शहर के विभिन्न मंदिरों में अन्नकूट प्रसादी वितरित की गई, जहां सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण किया। शहर के गंज चौक स्थित बालाजी हनुमान मंदिर, महाकाल चौक स्थित हनुमान मंदिर, दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, श्रीराधा-कृष्ण मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष की अन्नकूट प्रसादी वितरित किया गया।

त्योहारी जुए पर रही पुलिस की नजर, गांव इलाकों में हुई कार्रवाई

तीन जगह जुआ फड़ पर कार्रवाई, डेढ़ दर्जन पकड़ाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

पर्व के दौरान अवैध रूप से जुआ खेलने को लेकर पुलिस ने भी अपनी चौकसी बढ़ा दी थी। जिलेभर में पुलिस की टीम त्योहारी जुए को लेकर कार्रवाई के लिए अलर्ट रही। जिसका असर रहा कि जिले में तीन थाना क्षेत्र में जुआ फड़ पर कार्रवाई कर लगभग डेढ़ दर्जन जुआरियों को पकड़ा गया। हालांकि शहर से लेकर गांव-गांव तक त्योहार के अवसर पर सैकड़ों फड़ जमी थी।

मिली जानकारी के अनुसार जिले में जुए मामले में छुरिया, गैंदाटोला एवं सुकुलदैहान पुलिस चौकी द्वारा अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों की धरपकड़ की गई। पुलिस के अनुसार छुरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत 21 अक्टूबर को मुखबिर की सूचना पर छुरिया थाना स्टाफ द्वारा ग्राम हाटबाजार के पास रोड किनारे इमली पेड़ के नीचे अवैध रूप से 52 पत्ती ताश में रुपए पैसे का दांव लगाकर जुआ खेलने वालों के कब्जे से 52 पत्ती ताश एवं 1620 रुपए एवं पीले रंग की प्लास्टिक बोरी जब्त कर आरोपी रवि राजपूत 30 वर्ष , स्वरूप सिंह उम्र 36 वर्ष , प्रेमलाल उम्र 52 वर्ष , हेमंत साहू उम्र 32 को विधिवत गिरफ्तारी किया जाकर अपराध पंजीबद्ध किया गया। मामला जमानतीय जुर्म का होने से आरोपीगण को जमानत मुचलका पर रिहा किया गया।

गैंदाटोला में भी कार्रवाई

गैंदाटोला थाना क्षेत्र अंतर्गत जुआ के मामले में पुलिस ने दो स्थानों पर रेड कार्रवाई की। जिसमें दस जुआ खेलते पकड़े। पुलिस ने आरोपी टकेश्वटर निषाद उम्र 33 साल, घासीराम सिन्हा उम्र 34 साल, डोमार साहू उम्र 45 साल, दुर्गेश निषाद उम्र 28 साल, मंथीर सलामे उम्र 24 साल , ग्राम दैहान पर कार्रवाई की गई एवं दूसरे प्रकरण में पुनेश्वणर साहू उम्र 28 साल, गिरवर नेताम उम्र 22 साल ,भग्गु लाल साहू उम्र 40 साल, यशवंत कुमार उम्र 45 साल, टोमन साहू उम्र 27 साल ग्राम मुंजालपाथरी पर कार्रवाई की गई।

सुकुलदैहान में 9 पकड़ाए

इधर 21 अक्टूबर को सुकुलदैहान पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत पुलिस स्टाफ ने ग्राम लिटिया एवं खपरीकला में अवैध रूप से 52 पत्ती ताश में रुपए-पैसे का दांव लगाकर जुआ खेलने वालों के कब्जे से 52-52 पत्ती ताश एवं नगदी रकम क्रमशः 2570 रुपए एवं 4230 रुपए कुल 6800 रुपए जब्त कर ग्राम लिटिया घटना स्थल गांधी चौक में आरोपी गजेंद्र वर्मा उम्र 24 साल, कोमलाल वर्मा उम्र 20, मिथलेश पटेल उम्र 23 साल, सुदामा मंडावी उम्र 23 साल, लालचंद वर्मा उम्र 27 साल एवं ग्राम खपरीकला घटनास्थल धरसा रोड में आरोपी शीतल चन्द्रवंशी उम्र 20 साल, जागेश्वर सिन्हा उम्र 35 साल, नीलेश कवर उम्र 26 साल, विजय कवर उम्र 27 साल को विधिवत गिरफ्तारी किया जाकर अपराध पंजीबद्ध किया गया।

संजीवनी
नर्सिंग होम
हार्ट एवं न्यूरो केयर सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
24 घंटे आपात चिकित्सा
• एक्सीडेंट
• जहर का सेवन
• लीवर फेलयर
• किडनी फेलयर
• हार्ट अटैक
• ब्रेन हेमरेज
• पीलिया • लकवा
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
• बच्चेदानी का ऑपरेशन
• बांझपन का ईलाज
• मासिक धर्म की अनियमितता का ईलाज
• गर्भाशय संबंधी सभी प्रकार के रोगों का ईलाज
• नार्मल व सीजिरियन डिलीवरी मात्र 10000/-
24/7 Emergency सेवा उपलब्ध
OPD 10 AM to 4.00 PM
आयुष्मान कार्ड से ईलाज हेतु अधिकृत हॉस्पिटल
पुलिस थाना के सामने, चिखली, राजनांदगांव (छ.ग.)
24/7 Help Line 07744-299988, 82699-24365, 88279-24365

खबर संक्षेप

जांच परीक्षा में 35 स्काउट गाइड हुए शामिल

राजनांदगांव। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा स्काउट हेतु राज्य प्रशिक्षण केन्द्र झांकी अभनपुर रायपुर एवं गाइड हेतु आडवानी शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बिरगांव रायपुर में राज्य स्तरीय पुरस्कार जांच परीक्षा 2025 स्काउट-गाइड शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जिले से 23 स्काउट एवं 12 गाइड कुल 35 स्काउट-गाइड शामिल हुए। परीक्षा में शासकीय हाई स्कूल सेंदरी एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला ढारा, सोनेसरार, खुज्जी, डोंगरगांव, जंगलपुर, बिजेभाठा, हरडूवा, मुढ़ीपार, मासुल से प्रतिभागिता शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि स्काउट्स एवं गाइड्स कुल 30 माह के राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के निर्धारित पाठ्यक्रम एवं दल प्रवेश से लेकर विभिन्न सोपान को चरणबद्घ तरीके से कड़ी मेहनत के बाद पूर्ण कर राज्य स्तरीय पुरस्कार जांच परीक्षा 2025 में शामिल होते हैं। परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को राज्यपाल द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में 10 अंक बोनस की पात्रता होती है।

गोवर्धन पर्व पर पूजा-अर्चना

तुमड़ीबोड़। निकटवर्ती ग्राम बोदेला में बुधवार को श्रद्धा के साथ गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। ग्राम की महिलाओं ने परम्परागत तरीके से पूजा अर्चना कर गौ धन को खिचड़ी खिलाया।

रौशनी का पर्व दीवाली श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया

दीपावली पर दीपों से रोशन हुए घर आंगन

हरिभूमि न्यूज ⏭ डोंगरगांव

अंचल में रौशनी का पर्व दीवाली श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने दीपक जलाकर माँ लक्ष्मी की पूजा अर्चना की। वहीं मंगवार को जैन समाज के लोगों ने 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का मोक्ष कल्याणक मनाया।

पांच दिवसीय दीप पर्व की शुरुवात धनतेरस से हुई। दूसरे दिन पूरे अंचल में दीवाली मनाया गया। दीप पर्व को लेकर काफ़ी दिनों पहले से लोगों ने तैयारियां शुरू कर दिया था। दीवाली को लेकर कपड़ा, किराना, जनरल आइटम की दुकानों में खासी भीड़ देखने मिली। दीवाली के दिन आँगन को लिपाई कर महिलाओं ने रंगोली से सजाया। शाम ढलते ही घर आँगन दीपों से जगमगा उठे। लोगों ने देर रात तक आतिशबाजी कर खुशियों का इजहार किया।वहीं जन प्रतिनिधियों और जन सामान्य ने एक दूसरे से मुलाक़ात कर दीवाली की बधाइयां दी।

गौ धन की पूजा

दीवाली के बाद बुधवार को गांव गांव में गोवर्धन पूजा मनाया। किसानों ने इस मौके पर पशुधन की विधि विधान से पूजा अर्चना किया। यदु वंशियों ने परम्परा गत नृत्य करते हुए पशुधन को सोहाई बांधकर मालिक के सुख समृद्धि की कामना को। गांव के गौठान सहित अन्य देव स्थान पर भी पूजा का आयोजन किया गया। स्थानीय गायत्री मंदिर में अन्नकूट का आयोजन किया गया जिसमे बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। इस दौरान लोगों ने जमकर आतिशबाजी किया। पर्व को लेकर गाँवो मे उत्सव का माहौल रहा।

मोक्ष कल्याणक की धूम

कार्तिक अमावस्या को जैन समाज के लोगों ने दुनिया को जिओ और जीने दो का संदेश देने वाले भगवान महावीर का मोक्ष कल्याणक जैन आचार्य विद्यासागर महाराज की शिष्या आर्यिका श्वेत मति माता और आर्यिका विदेह मति माता के मंगल सानिध्य में मनाया। सुबह जैन मंदिर में शांति धारा, अभिषेक के बाद निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। इस दौरान प्रतिभास्थली की बच्चियों ने नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया।

पटाखा व्यवसाय आधा, किसानों में मायूसी

छुईखदान। इस वर्ष दिवाल त्यौहार उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बाजारों की रौनक फीकी दिखाई दी। पटाखा दुकानदारों का कहना है कि इस बार बिक्री मात्र 50 प्रतिशत तक ही रह गई। महंगाई और किसानों की आर्थिक तंगी ने लोगों में निराश कर दिया।

दुकानदारों ने बताया कि पिछले वर्षों की तुलना में इस बार ग्राहक कम पहुंचे। मिठाई और सजावटी सामान की बिक्री भी घट गई। इस स्थिति से व्यापारी वर्ग निराश है। व्यापारियों ने बताया कि धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू होना है और सोयाबीन पूरी तरह से नष्ट हो गई है। सोयाबीन फसल के नुकसान से किसान अब तक उबर नहीं पाए हैं। बेमौसम बारिश और उत्पादन में भारी गिरावट ने किसानों को आर्थिक संकट में डाल दिया है। ऐसे में ग्रामीण इलाकों में दिवाली की चमक फीकी पड़ गई। किसानों के चेहरों पर चिंता और निराशा साफ झलक रही थी।किसानों ने कहा कि इस बरस दिवाली का त्यौहार उनसे दूर चला गया।

दीपक का वितरण

इस बीच छुईखदान के राजा और पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष गिरिराज किशोर दास ने गरीबों और जरूरतमंदों के बीच पटाखे और दीपक वितरित कर दिवाली मनाई। उन्होंने कहा कि दिवाली का असली सुख तब है जब कोई जरूरतमंद परिवार खुशियों में शामिल हो और हम सभी उनके साथ खड़े हों।

किसानों की सुध ले सरकार

किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष देवराज किशोर दास ने सोयाबीन फसल के मुआवजे को लेकर आने वाले दिनों में सड़क पर उतरने की बात कही। उन्होंने कहा कि साल का सबसे बड़ा त्यौहार निकल गया। किसानों की खुशियाँ खत्म हो गई और सरकार अब भी शांत बैठी है।

दीपावली पर जमकर की गई खरीदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ डोंगरगढ़

डोंगरगढ़ धर्म नगरी में दीपावली का बजार जम कर गुलजार रहा। बडे व्यापारीयों के अलावा फुडकर व्यापारी सहित छोटे छोटे व्यवसाय में भी अच्छा मुनाफा कमाया।

देर रात तक किराना कपडा, बर्तन, सोना चांदी के जेवर, मनिहारी, इलेक्ट्रिनिकाल्स समान, फुल माला, दिया सहित सभी दुकानों में भीड रही। बताया जा रहा है कि इस बार डोंगरगढ़ धर्म नगरी में लगभग 10 करोड से उपर का व्यपार हुआ है। हालाकि माना जा रहा है कि अगर दीपावली के पहले धान खरीदी षुरू हो जाती तो यह कारोबार 20 करोड का होता। क्षेत्र में फुल की कमी के चलते बाहर से फुल की आवक से बजार गुलजार तो हुआ किंतू गुलाब, गैंदा व कमल फुलो की किमत वर्तमान किमत से 3 गुणा अधिक रही। इस बार मोटर साईकल वाहन का व्यपार पूर्व की भांती नही हो पाया। इसका मुख्य कारण मोटर साईकल कंपनी अपने डिलरो को मांग के अनुरूप वाहन उपलब्ध कराने में असमर्थ रही।

गोवर्धन पूजा, अन्नकूट का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

ग्राम धामनसरा में इस वर्ष दीपावली की खुशियों की श्रृंखला पूरे जोरों पर रही। दीपावली के अवसर पर घरों और आंगनों में दीपों और रंगोली से सजावट की गई और मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना की गई।

दीपावली के दूसरे दिन ग्रामीणों ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा कर गोवर्धन पर्वत का प्रतीक स्थापित किया। महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाज से अन्नकूट तैयार कर भगवान को अर्पित किया। भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण ने पूरे दिन वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इसके बाद आदिवासी धुव गोंड समाज ने बड़े उत्साह के साथ गौरा-गौरी पर्व मनाया। समाज के सदस्य कोमल शोरी, अर्जुन शोरी, संजय शोरी, महेन्द्र शोरी, गुमान चिता मंडावी, पीलु मंडावी, तरुण मंडावी सहित अन्य समाजिक बंधु उपस्थित रहे। सभी ने पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा धारण कर नृत्य और गीतों के माध्यम से अपनी संस्कृति का सुंदर प्रदर्शन किया।

शिवनाथ नदी में विसर्जन

उत्सव का समापन जीवनदायिनी शिवनाथ नदी में गौरा-गौरी के विसर्जन के साथ हुआ। ढोल-मांदर की थाप, भक्ति गीत और ग्रामीणों की उपस्थिति ने पूरे माहौल को उल्लासपूर्ण और भक्तिमय बना दिया। इस प्रकार ग्राम धामनसरा में दीपावली, गोवर्धन पूजा और गौरा-गौरी पर्व की श्रृंखला ने भक्ति, संस्कृति और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

सोटा मरवाने की अनूठी रस्म देखने उमड़े लोग, गौरा गौरी का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गंडई पंडरिया

आस्था और लोक परंपरा का संगम लोक पर्व गौरी-गौरा के विसर्जन दौरान गंडई नगर में देखने मिला। पंडरिया वार्ड 1 से वार्ड 5 तक के कई मोहल्लों में स्थापित गौरी-गौरा की मूर्तियों को बाजे-गाजे और सोहर गीतों के साथ नदी में विसर्जित किया गया। इस दौरान सोटा मरवाने की प्राचीन और अनूठी परंपरा ने सभी का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें स्थानीय नागरिकों ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

त्योहार की शुरुआत अत्यंत पारंपरिक तरीके से हुई। मोहल्लों में रात में मिट्टी की मूर्तियों को बनाकर गौरी-गौरा के चबूतरों को विशेष रूप से सजाया गया। मूर्तियों की स्थापना के बाद, पूरी रात मोहल्ले की महिलाओं ने भक्तिभाव से सोहर गीत गाए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। अगले दिन सुबह विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई।

प्राचीन परंपरा आज भी जीवित

यह पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह का प्रतीक है, जिस भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जात है। पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही यह परंपरा आज भी गंडई-पंडरिया क्षेत्र में पूरी जीवंतता के साथ मनाई जाती है।

विसर्जन यात्रा आकर्षण का केंद्र

विसर्जन की शुरुवात दोपहर करीब 12 बजे हुई। पारंपरिक बाजे-गाजे और भक्ति गीतों की धुन पर नाचते-गाते हुए भक्त गौरी-गौरा को नदी तक ले गए। विसर्जन यात्रा का सबसे ख़ास आकर्षण प्राचीन परंपरा रही, जिसमें स्थानीय नागरिकों ने अपने हाथों और पैरों में सोटा मरवाया। मान्यता है कि यह रस्म बुरी शक्तियों और रोगों से रक्षा करती है, तथा वर्ष भर सुख-समृद्धि लाती है। नागरिक पूरी श्रद्धा के साथ खुद को सोटा मरवाने के लिए आगे आए।

सुआ नृत्य के बहाने बांटी दिवाली की खुशियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईखदान

दीपावली पर्व के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक लोक संस्कृति की झलक देखने को मिल रही है। गाँव की महिलाएँ आज भी सुआ नृत्य के माध्यम से खुशियाँ बाँट रही हैं। ढोलक की थाप पर पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाएँ टोली बनाकर घर-घर जाकर सुआ नृत्य प्रस्तुत कर रही हैं। ग्रामीण अंचलों में इस नृत्य को लेकर महिलाओं और युवतियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। गीतों के माध्यम से वे आपसी भाईचारे, प्रेम और समृद्धि का संदेश दे रही हैं।

गौरी गौरा की धूम

नगर एवं क्षेत्र में गुरु गौरा को महिलाओं में विशेष खुशी आ जाती है दिवाली आने की खुशी में कंडरा पारा केवट पारा टिकरी पारा डीपरा पारा में गौरी गौरा को लेकर मोहल्ले वासियों में खुशी देखा गया है। जहा पर गौरी गौरा चौक पर गौरी गौरा की स्थापना की गइ थी। जहा पर दूसरे दिन सुआ नृत्य कर महिलाओं दिवाली खुशिया दो गुना कर दिए।

खबर संक्षेप

ज्ञान प्रोत्साहन योजना, आवेदन 31 तक

कवर्धा। मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना अंतर्गत सत्र 2025-26 में जिले के विद्यार्थियों के चयन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिले के कुल 77 विद्यार्थियों की सूची प्राप्त हुई है, जिन्हें ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत करना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कक्षा 10वीं के अनुसूचित जाति वर्ग के 18, अनुसूचित जनजाति वर्ग के 12 तथा कक्षा 12वीं के अनुसूचित जाति वर्ग के 29 और अनुसूचित जनजाति वर्ग के 18 विद्यार्थी योजना हेतु चयनित किए गए हैं। योजना के अंतर्गत ऑनलाईन आवेदन पूर्ण करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025, सायं 05:00 बजे तक निर्धारित की गई है।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने ग्राम सेमरहा के बच्चों के साथ मनाई दीपावली

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

दीपावली के अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने ग्राम रणवीरपुर में ग्राम सेमरहा से आए बच्चों के साथ दीपावली मनाई। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी और सबके मंगलमय जीवन और छत्तीसगढ़ प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान भावना बोहरा के साथ ग्राम सेमरहा के बच्चों ने मुलाकात कर उन्हें दीपावली की बधाई दी, उनके साथ पटाखे फोड़े, एक दूसरे का मुंह मीठा किया और विधायक भावना बोहरा के साथ रात्रि भोजन भी किया। भावना बोहरा ने बच्चों को ढेर सारी बधाई और आशीर्वाद दिया, उन्हें खूब मन लगाकर पढ़ाई करने की बात कही। बच्चों ने बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ दीपावली मनाई। इस दौरान उनके चेहरों पर खुशी देखते ही बन रही थी। इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि आज दीपावली के अवसर पर ग्राम सेमरहा के बच्चों का आगमन हुआ। उनके साथ दीपावली मानकर मन को बहुत ही सुखद अनुभूति हुई। उनके चेहरों की मुस्कान और खुशी देखकर मन को यह संतोष है कि एक अभिभावक के रूप में मैंनें उनके प्रति जो जिम्मेदारी ली है उसे हमेशा पूरी करती रहूंगी। ये सभी बच्चे मेरे परिवार का हिस्सा है इसलिए मेरा हमेशा यही प्रयास रहा है कि हर त्योहार में उनके साथ रहूं, उन्हें किसी भी प्रकार की कोई कमी न होने दूं, उनके परिजन उन्हें जो खुशियां देते उन्हें मैं पूरा कर सकूं, मेरा बस यही प्रयास है। उनकी शिक्षा में कोई अवरोध न आए, उनका भविष्य उज्ज्वल और सुरक्षित हो इसके लिए मेरी जो भी जिम्मेदारी बनती है उसे मैं हमेशा निभाऊंगी। उनके हर सुख-दुख, तीज-त्योहार में मैं उनके साथ हूं। उनके परिजनों की कमी को तो मैं पूरा नही कर सकती लेकिन, मेरा एक ही लक्ष्य है कि उन्हें अपने जीवन मे आगे बढने, सफल होने और सही राह चुनने के लिए मैं एक माध्यम बन सकूं। किसी भी परिस्थिति में उन्हें अकेला और अपने परिजनों की कमी महसूस न हो इसके लिए मैं हमेशा प्रयास करती रहूंगी। उनसे एक भावनात्मक जुड़ाव भी है उन्हें कोई तकलीफ न हो किसी भी चीज की कमी न हो इसके लिए मैं लगातार उनसे संपर्क में रहती हूं और विशेष पर्व और त्योहार में उनके साथ मिलकर मानना मुझे स्वयं को एक सुखद अनुभव प्रदान करता है। भावना बोहरा ने आगे कहा कि आज दीपावली का पर्व है। यह पर्व न केवल हमारी परंपराओं का प्रतीक है, बल्कि धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों का संगम भी है। भगवान श्री राम के 14 वर्ष के वनवास के पश्चात अयोध्या लौटने की खुशी में पूरा देश उनके आगमन का उत्सव बड़े ही धूम-धाम से मनाते हैं। प्रभु श्रीराम जी के आदर्शों को लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं और एक जनप्रतिनिधि के रूप में अपने दायित्वों को पूरा करने का मैंने हमेशा प्रयास किया। इस प्रयास में पंडरिया विधानसभा की प्रत्येक जनता का मार्गदर्शन, सुझाव एवं सहयोग मुझे मिलता रहा है और मुझे विश्वास है आगे भी यह सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा।

पंडरिया क्षेत्र का किया जा रहा है निरंतर विकासः भावना

कार्यक्रम के दौरान पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा को समृद्ध बनाने के लिए निरंतर विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्यों को हम गति दे रहें हैं, जनता की मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखकर उसका विस्तार कर रहें हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, सुशासन एवं किसानों के कल्याण के लिए हमारा प्रयास निरंतर जारी है।

वारदात: सब्बल से सिर पर किया प्राणघातक हमला, मौके पर मौत, आरोपी गिरफ्तार

आपसी विवाद के बीच पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा/पाण्डातराई

त्यौहारों के इस सीजन में जिले के पाण्डातराई थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम सोढ़ा में पति-पत्नी के बीच हुए आपसी विवाद में पति ने अपनी पत्नी के सिर में सब्बल से प्राणघातक वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका का शव बरामद कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। आगे की कार्यवाही की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सोढ़ा निवासी श्रीमती अश्वनी बाई गेंड्रे, उम्र लगभग 45 वर्ष का बुधवार की सुबह करीब 4-5 बजे किसी बात को लेकर अपने पति परशुराम गेंड्रे से विवाद हो गया। बताया जाता है कि पति-पत्नी के बीच विवाद इतना बढ़ा की पति ने अपना आपा घोते हुए घर में ही रखी सब्बल से अपनी पत्नी के सिर पर प्राणघातक वार कर दिया। महिला के सिर पर सब्बल की चोट इतना घातक की थी उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी पीड़िता के परिजनो और आसपास के लोगों की लगने के बाद मौके पर जमावड़ा लगा गया और घटना की जानकारी तत्काल पाण्डातराई पुलिस को दी गई।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका का शव बरामद कर आरोपी पति को हिरासत में ले लिया। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आगे की पूछताछ और कार्यवाही कर रही है। लेकिन अभी तक इस बात खुलासा नहीं हुआ है कि हत्या की वजह क्या है और किन स्थिति परिस्थितियों के दौरान आरोपी ने यह कदम उठाया है।

पति-पत्नी में विवाद का कारण अज्ञात

अभी इस बात की जानकारी नहीं मिल पा है कि आखिर पति-पत्नी के बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ था और विवाद के बीच ऐसा क्या हुआ कि पति ने अपना आपा खोते हुए अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। बहरहाल पुलिस इन सारी बातों का पता लगाने में जुटी हुई है। पुलिस ने मौके से घटना में प्रयुक्त सब्बल बरामद कर लिया है।

कवर्धा नगर सहित अंचल में धूमधाम से मनाई गई दीपावली

लोगों ने विधि विधान से की पूजा अर्चना, देररात तक की आतिशबाजी

- पर्व को लेकर सभी वर्गो में दिखा भारी उत्साह और उमंग

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

दीपोत्सव का महापर्व 20 अक्टूबर को परम्परागत रूप से उल्लास पूर्वक मनाया गया। शाम को शुभ मुहुर्त में महा लक्ष्मी जी की पूजा अर्चना की गई तथा सुख समृद्धि का आशिर्वाद मांगा गया।

देर शाम पूजा अर्चना के बाद समूचा शहर आतिशी धमाकों से गूंजने लगा। लोगों ने एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दी। दीप पर्व के रोज समूचा नगर दुल्हन की तरह सजाया गया था। हर घर और व्यवसायिक प्रतिष्ठानो में रंग बिरंगी रोशनी जगमगा रही थी। गुमठियों से लेकर छोटे-बड़े व्यापारिक, प्रतिष्ठानों, मकानों आदि की साफ सफाई और रंग रोगन कर चकाचक चमका दिया गया था। दीवाली मनाने का सिलसिला धनेतरस से ही शुरू हो चुका था। मुहुर्त के अनुसार लोगों ने धनतेरस के दिन अपने सामर्थ के हिसाब से सोने चांदी के जेवरातों, नेंग के बर्तन की खरीदी कर ली थी। धनतेरस की रात शहर के राऊतों, ठेठवारों, पहारियों ने अपने किसानों, मालिक ठाकुरों के घर जा कर गौ धनो को रस्मो रिवाज से सोहई बांधी और सोहई बांधने के दौरान छत्तीसगढ़ी में दोहा गाकर उनकी सुख समृद्धि की कामना की। 20 अक्टूबर को शुभ मुहूर्त लगते ही व्यापारिक प्रतिष्ठानों, घरों में महा लक्ष्मी की पूजा अर्चना की गई तथा मंगलमय समृद्धि कारक शुभ फल का आशिर्वाद मांगा गया।

लक्ष्मी पूजन के पश्चात समुचे शहर में आतिशी धमाकों के साथ एक दूसरे को बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। हर वर्ग व आयु समूह के लोग पारम्परिक धोती, कुर्ता पोशाकों के अलावा अधुनातन पोशाकें धारण कर दीवाली की खुशियां बिखेर रहे थे। रंग बिरंगे वस्त्र धारण कर गृहणियां, बहु बेटियां थाल पर रखे दीपकों को घरों की देहरियां, दरवाजों, आंगन पर सजाकर दीपमल्लिका पर्व को रोशन कर रही थी। इस अवसर पर घरो व दुकानों को आकर्षक बिजली के डालरों से सजाया गया था और नगर रंग बिरंगी रोशनी सराबोर रहा।

लक्ष्मी पूजन के पश्चात करपात्री चौक, शीतली मंदिर चौक, सराफा बाजार, महावीर स्वामी चौक, आजाद चौक, नवीन बाजार चौक, इंदिरा चौक जैसे व्यस्त व्यवसायिक इलाकों सहित गलि-मुहल्लों में दनादन पटाखे फूटने लगे और अनार दाना, फल छड़ी, सांप गोली, राकेट, लड़ियों आदि की तेज रोशनी शहर जगमगा उठा। दीपोत्सव पर बच्चों और युवा वर्ग में खासा उत्साह देखा गया।

छोटे बड़े व्यपारियों, राजनेताओं, जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों आदि ने घूम-घूम कर दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनांए दी। तथा एक दूसरे को बधाई संदेश, मिठाई व उपहार आदि भेंट किया। कुल मिलाकर दीपोत्सव का पर्व कवर्धा नगर सहित समूचे जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दीपावली पर स्थानीय बाजार में की खरीदी

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दीपावली पर्व के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकल फॉर वोकल के संदेश को आत्मसात करते हुए कवर्धा में स्थानीय बाजार में पहुंचकर खरीदी की। उन्होंने कहा कि त्योहारों के अवसर पर स्थानीय उत्पादों की खरीदी से न केवल छोटे व्यवसायियों और कारीगरों को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि स्वदेशी अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा अपने चिरपरिचित सरल और सहज अंदाज में मोटरसाइकिल से कवर्धा भ्रमण करते हुए स्थानीय बाजार पहुंचे। उन्होंने दुकानदारों और नागरिकों से आत्मीयता पूर्वक मुलाकात की तथा सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। स्थानीय व्यापारियों ने उपमुख्यमंत्री के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि इससे आमजन में लोकल फॉर वोकल के प्रति जागरूकता और बढ़ेगी। उन्होंने रोड किनारे बैठे दुकानदारों से दीपक, पूजा समाग्री, कमल, सिंघाड़ा, धान की बाली और अन्य वस्तुएं ख री दी । दीपावली के इस शुभ अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने सभी से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और स्थानीय उद्योगों को समर्थन देने का आग्रह किया। उन्होंने स्थानीय होटल में जाकर बच्चों और स्थानीय लोगों के साथ नास्ता भी किया।

गोवर्धन पूजा कर पशु धन को खिलाया गया अन्य कूट

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

वर्षो पुरानी सनातनी परम्परा का निर्वाहन करते हुए कवर्धा सहित अंचल में बुधवार को गोवर्धन पूर्व मनाया गया। मान्यता के अनुसार इस पर्व विशेष में मुख्य रूप से गांय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की आंकृति बनाकर उसकी विधि विधान से पूजा अर्चना की और गौ माता को अन्य कूट खिलाया गया। बुधवार को गोवर्धन पूजा के दिन लोगों ने गाय के गोबर से गोवर्धन की मानव आकृति बनाकर उसके चारों तरफ गाय, बछड़े व अन्य पशुओं के साथ बीच में भगवान श्री कृष्ण की आकृति बनाई गई तथा 5 प्रकार के सब्जियों द्वारा निर्मित अन्नकूट एवं दही, बेसन की कढ़ी द्वारा गोवर्धन का पूजन एवं भोग लगाया गया। गाय को देवी लक्ष्मी का प्रतीक मानकर लक्ष्मी पूजा के बाद गौ पूजा की भी परंपरा निभाई। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए लोगों ने धूमधाम के साथ गोवर्धन पूजा की। मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्री कृष्ण ने गोकुल में भगवान श्री कृष्ण ने लोगों प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी ऊंगली में धारण किया था। तभी से इस पर्व में को मनाया जा रहा है।

भाईदूज का त्यौहार आज

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

भाई दूज कार्तिक मास के शुक्लपक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। इस बार भाई दूज का त्योहार 23 अक्टूबर, गुरुवार को मनाया जाएगा। जानकारों के मुताबिक 23 अक्टूबर को दोपहर 01 बजकर 13 मिनट से 03 बजकर 28 मिनट तक भाईयों को तिलक करने का शुभ मुहुर्त रहेगा।

पुलिस स्मृति दिवस पर नाम वाचन कर शहीदों को दी गई श्रद्धांजली

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

कबीरधाम पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल की उपस्थिति में देश की रक्षा के लिए अपने कर्तव्य का निर्वाहन करते हुए अपने प्राणों की आहुती देने वाले देश के अमर वीर शहीदों को दिन मंगलवार 21 अक्टूबर को कबीरधाम जिले के पुराने पुलिस लाईन में स्थित शहीद स्मारक स्थल पर पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की गई। कबीरधाम जिला के पुलिस कप्तान धर्मेंद्र सिंह द्वारा समारोह को संबोधित करते हुए कहा गया कि 21 अक्टूबर 1959 में लद्धाख में तीसरी बटालियन की एक कंपनी को भारत तिब्बत सीमा सुरक्षा के लिये लद्धाक में हाट सप्रिंग में तैनात किया गया था। कपंनी को टुकड़ी में बाटकर चौकसी करने को कहा गया था। जब बल के 21 जवानों का गश्ती दल हाट सप्रिंग में गश्त कर रहा था, तभी चीनी फौज के एक बहुत बड़े दस्ते ने इस गश्ती टुकड़ी पर घात लगाकर आक्रमण कर दिया, तब भारतीय बल के मात्र 21 जवानों ने चीनी आक्रमणकारियों का डटकर मुकाबला किया व मातृभुमि की रक्षा के लिये लड़ते हुए 10 शूरवीर जवानो ने अपने प्राणो का बलिदान देश के लिए दिया। हमारे जवानों के लिये व हम सबके लिये यह गौरव की बात है, कि केन्द्रीय पुलिस संगठनो व सभी राज्यो की पुलिस द्वारा पुलिस स्मृति दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है।

दो दिनो तक चला गौरा-गौरी उत्सव, धूमधाम से रचाया गया गौरा-गौरी का विवाह

धूमधाम से मनाया गया गौरा उत्सव, दिनभर होते रहा विसर्जन

फाईल फोटो

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा।

अमुमन दीपावली के दूसरे दिन मनाया जाने वाली गौरा गौरी उत्सव इस बार दीपावली के तीसरे दिन कवर्धा सहित समूचे अंचल में धूमधाम व हर्षोल्लसा के साथ मनाया गया। बुधवार को गोवर्धन पूजा के साथ-साथ नगर तथा अंचल के लोगों ने पारंपरिक रूप से गौरा-गौरी उत्सव भी बनाया।

भगवान शंकर व पार्वती के विवाह उत्सव में शामिल लोगों ने नगर के विभिन्न स्थानों में भगवान गौरा-गौरी के विवाह मण्डप बनाकर बरात निकाली तथा विवाह की दूसरी रस्म अदा की। इस अवसर पर बैंड तथा सींग बाजे के उत्तेजक धुन पर नाचते गाते लोगों ने नगर के प्रमुख मार्गो का भ्रमण कर स्थानीय राधा कृष्ण बड़े मंदिर तालाब पर मण्डप विसर्जित किए। प्रतिवषानुसार इस वर्ष भी नगर में परम्परागत ढंग से गौरा-गौरी का त्यौहार हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया। पूरे दो दिनों तक चलते वाले इस उत्सव में नगरवासियों ने सामूहिक रूप से हिस्सा लेकर विवाह की रस्मे निभाई।

गौरा समितियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपावली के प्रथम दिवस धनतेरस को गौरा पर्व प्रारंभ हो जाता है। गोरा पर्व में दीपावली अमावस्या को गौरा मण्डप बनाने हेतु गाजे-बाजे के साथ दूर नदी तट से मिट्टी लाई गई तथा परम्परा के अनुसार देररात तक विधि विधान से गौरा-गौरी की मूर्ति, मण्डप व भीम सेन की प्रतिमा बनाई गई। तत्पश्चात विवाह की रस्मे निभाई गई। रंग बिरंगी चमकीली कागजों से सजाई गई इन प्रतिमाओं को ब्रम्ह मुहुर्त में परघाकर गौरा चौरा में विराजित किया गया।

जहां लोगों ने गौरा गौरी की विधि विधान से पूजा अर्चना की और नगर में शोभायात्रा निकाली गई। गौरा समितियों के सदस्यों के अनुसार इस उत्सव के दौरान कुछ लोगों को गौरा देव भी चढ़ते है। जिससे वे उत्सव में बज रहे गौरा के उत्तेजक धुन पर नाचते है। इन्हें शांत करने के लिए कई प्रकार के जतन किये जाते है। जिसमें होंम, धूप, बोड़ा, पानी, शराब व सांट आदि शामिल है। सामान्य प्रयास के विफल होने पर उनके मांग के अनुरूप पुरूषों को बम शब्द के साथ सांट व महिलाओं के हांथों में बोड़ा अर्थात रस्सी के द्वारा जलता हुआ तेल की बूंद गिराई जाती है तब उन पर आए गौरा देव या वीर शांत होते है।

ग्रामीण अंचलों में भी उत्सव की रही धूम

ग्रामीण अंचालों में भी गौरा-गौरी की धूम रही। पर्व के मौके पर गांव-गांव में गौरा गौरी की स्थापना की और बाजे गाजे के साथ मंगलवार को सुबह से पूजा पाठ के साथ उनका विसर्जन किया गया। गामीण अंचल के ग्राम गुढ़ा-सोनपुरी, केसली, तमरुवा, नवागांव, बिपतरा, कोयलारी, मरका, कुण्डा, चिल्फीघाटी, पाण्डतराई, कोलेगांव, कोदवागोड़ान सहित अन्य गावों में गौरा गौरी उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। जिसमे गौरा-गौरी की स्थापना की गई, तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में लोगों का उत्साह देखते ही बनर रहा था। लोगों ने पूरी श्रृद्धा भक्ति के साथ गौरा-गौरी का ब्याह रचाया और उत्सव मनाया।

धूमधाम से मना दीवाली का पर्व देर रात तक आतिशबाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ डोंगरगढ़

धर्म नगरी में मां लक्ष्मी का त्यौहार दीप उत्सव दीपावली महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। वनांचल सहित शहर के हर वर्ग के लोग विधिवत अपने कुल देवी देवताओं सहित माता लक्ष्मी भगवान गणेश और धन के स्वामी कुबेर की पूजा अर्चना किया। इसके पश्चात जमकर आतिशबाजी कर एक दूसरे को मिठाई बाट कर बधाई दी।

शाम 6 बजे से गोधुली बेला से देर रात 12 बजे तक माता लक्ष्मी जी की पूजा की गई। वार्डो सहित ग्रामीण आंचलों का पारंपरिक त्योहार गौरागौरी पूजा देर रात 12 बजे से शुरू हुआ। दूसरे दिन प्रातः काल 11 से क्षेत्र के गौरागौरी का विसर्जन का सिलसिला शुरू हुआ जो शाम 4 बजे तक चला। दीपावली के 2 दिन बाद यदूवंशी यादव समाज के तत्ववाधान में गोवर्धन पूजा हुई। स्थानीय ठेठवारपारा बस स्टेण्ड में बरसों से चली आ रही परंपरा के अनुसार पशुधन की पूजा की गई। साथ ही साढादेव की पूजा कर पशुधन को सोहाई भी बांधी गई। लोगों ने गोबर के बने गोवर्धन भगवना कृष्ण की पूजा अर्चना भी की। डोंगरगढ़ क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने 5 दिनों तक चलने वाले इस दीप उत्सव के सबसे बडे त्योहार में अपनी सहभागीता निभाते हुए लोगों से मिल कर दिवाली की शुभकामनाएं दी।

क्षेत्रीय विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष रामजी भारती, पूर्व विधायक विनोद खांडेकर, बम्लेश्वरी ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, ट्रस्टी महेन्द्र भाई पटेल, सीपी मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे, विजय राज सिंह चौहान, हरविंदर सिंह मंगे, लक्ष्मीनरायण अग्रवाल, सुरेन्द्र सिंह बन्नोआना, तरूण हत्थेल, रामकृष्ण कनौजे, महेन्द्र परिहार सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने लोगों से मिलकर दीपावली की बधाई दी।

दीपावली पर विद्युत व्यवस्था रही ठप, पटरीपार क्षेत्र में ब्लैक आउट

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

दीपावली के अवसर पर शहर के कई क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट और बिजली व्यवस्था ठप हो गई। दीपावली से पूर्व चाक-चौबंद विद्युत व्यवस्था के लिए विद्युत विभाग द्वारा मेंटेनेंस का कार्य करते हुए 4 से 6 घंटे लाइट बंद रखी गई, लेकिन दीपावली के मौके पर ही लक्ष्मी पूजा की रात शहर के पटरीपार क्षेत्र में लगभग आधे घंटे तक लाईट बंद रही।

कार्तिक अमावस्या को दीपावली का पर्व मनाया जाता है। इस दिन अंधकार को मिटाने के लिए दीयों की रोशनी की जाती है। वहीं दीपावली पर्व के अवसर पर लोग अपने घरों को रोशन करने आकर्षक लाइटों से सुसज्जित करते हैं। दीपावली अवसर पर शहर के शांतिनगर, स्टेशनपारा, रामनगर, मोतीपुर सहित अन्य क्षेत्रों के लोग भी अपने घरों में रोशनी किए हुए थे, लेकिन इस दौरान बिजली व्यवस्था ठप हो गई और लगभग आधे घंटे तक विद्युत आपूर्ति बंद रही। जिससे क्षेत्र अंधेरे में डूबा रहा। वहीं लोगों में बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी भी दिखाई दी।

लगातार बिजली की समस्या से परेशान हो रहे लोग, विभाग सतर्क नहीं!

दो दिनों से बंद मोहल्ले की स्ट्रीट लाइट, लोग परेशान

रामनगर क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट बंद होने को लेकर स्थानीय निवासियों ने पार्षद और अन्य निगम के अधिकारियों से भी संपर्क किया, लेकिन दो दिनों तक भी यहां की स्ट्रीट लाइट को ठीक नहीं किया जा सका। दीपावली और गोवर्धन पूजा पर्व के दौरान भी इस क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट बंद होने से अंधेरा पसरा रहा।

पूजन के दौरान लाइट बंद

दीपावली पर सड़कों में पर्याप्त रोशनी रहे, इसके लिए शहर के विभिन्न वार्डों में स्ट्रीट लाइटों को नगर निगम द्वारा दुरुस्त कराया गया। पार्षद निधि से स्ट्रीट लाईट खरीदी करने का अधिकार देते हुए कई विद्युत पोल में लाइटें भी लगाई गई। शहर के रामनगर वार्ड नंबर 7 क्षेत्र में भी स्ट्रीट लाइट की मरम्मत की गई थी, लेकिन दीपावली की रात ही यहां स्ट्रीट लाइट बंद रही।

शहर में दर्जनभर स्थानों में स्थापित किए गए थे गौरी-गौरा

गौरी-गौरा के गीतों के साथ निकली विसर्जन यात्रा, आज गांवों में मातर

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

जिले में गौरी-गौरा का पर्व हर्षोलास के साथ मनाया गया। शहर में विभिन्न मोहल्लों से गौरी-गौरा विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। इस वर्ष तिथियों की वजह से दो दिनों तक गौरी-गौरा विसर्जन किया गया।

दीपावली के अवसर पर प्रतिवर्ष लक्ष्मी पूजन के दूसरे दिन गौरी-गौरा विसर्जन यात्रा निकाली जाती है। जिले के विभिन्न गांव सहित शहर में भी गौरी-गौरा का पर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान शहर के विभिन्न मोहल्लों के गौराचौरा में भगवान शंकर और माता पार्वती की प्रतिमा स्थापित की गई। वहीं विधि-विधान से पूजा-अर्चना पश्चात इन प्रतिमाओं का शहर के अलग-अलग तालाब में विसर्जन किया गया। गौरी-गौरा पर्व के दौरान भगवान शंकर और माता पार्वती का विवाह रचाया गया। मान्यताओं के अनुसार इस विवाह के माध्यम से घर-परिवार और समाज में खुशहाली आती है। श्रद्धालुओं ने भगवान शंकर और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और देर रात बाजे-गाजे के साथ ज्योति कलश निकाली।

दो दिनों तक चला विसर्जन का दौर : शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गौरी-गौरा स्थापना के पश्चात विसर्जन का दौरा मंगलवार से शुरू होकर बुधवार देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान अलग-अलग मोहल्लों से निकली गौरी-गौरा विसर्जन यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु गौरी-गौरा गीत पर झूमते चल रहे थे।

विभिन्न मोहल्ला से निकली विसर्जन यात्रा

गौरी-गौरा पर्व को लेकर शहर के अलग-अलग मोहल्ले में वर्षों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन किया जा रहा है, जहां गौरी-गौरा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना पश्चात विधि-विधान से इसका विसर्जन किया जाता है। शहर के जमातपारा, भरकापारा, ब्राह्मणपारा, ठेठवारपारा, रामनगर, हमालपारा, बसंतपुर, लखोली सहित विभिन्न मोहल्ले से गौरी-गौरा गीत के साथ विसर्जन यात्रा निकाली गई। इस दौरान कलश के साथ भगवान गौरा और माता गौरी को श्रद्धालुओं ने अपने सिर पर उठाया और भक्ति भाव के साथ विधि-विधान से विसर्जन किया।

यात्रा में दिखा उत्साह

गौरी-गौरा विसर्जन यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। इस विसर्जन यात्रा में महिलाओं की संख्या अधिक रही। गांव और शहरों में प्राचीन परंपरा के अनुरूप गौरा-गौरी का यह लोक उत्सव प्रतिवर्ष वर्ष कार्तिक महीने की कृष्णपक्ष की अमावस्या के बाद मनाया जाता है।

देर रात हुई पूजा-अर्चना

गौरी-गौरा का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। दीपावली पर्व पर मां लक्ष्मी पूजन के दूसरे दिन शहर के कुछ क्षेत्रों में गौरी-गौरा विसर्जन यात्रा निकाली गई। इस दौरान भगवान शंकर के रूप में गौरा और माता पार्वती के रूप में गौरी की प्रतिमा विभिन्न मोहल्लों के गौराचौरा पर स्थापित की गई। यहां देर रात तक श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की और फिर विधि-विधान के साथ इन प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

छठ पर्व : गोंदिया-पटना के मध्य विशेष ट्रेन

राजनांदगांव। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा छठ पर्व के दौरान यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए एवं अतिरिक्त यात्री सुविधा प्रदान करने हेतु दो फेरे के लिए गोंदिया और पटना के मध्य छठ स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 08897 गोंदिया-पटना छठ स्पेशल एक्सप्रेस 23 एवं 24 अक्टूबर को गोंदिया से प्रस्थान करेगी। यह विशेष गाड़ी गोंदिया से दोपहर 12.30 बजे प्रस्थान कर डोंगरगढ़ आगमन 13.26 प्रस्थान 13.28 बजे राजनांदगांव आगमन 13.50 प्रस्थान 13.52 बजे, दुर्ग आगमन 14.45 प्रस्थान 14.50 बजे, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा, राउरकेला, हटिया, रांची, बोकारो स्टील सिटी, गया होते हुए अगले दिन 15.18 बजे पटना पहुंचेगी। ठीक इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08898 पटना–गोंदिया छठ स्पेशल एक्सप्रेस 24 अक्टूबर एवं 25 अक्टूबर को पटना से चलेगी।

विपरीत दिशा से यह विशेष गाड़ी पटना से प्रस्थान कर गया, बोकारों स्टील सिटी, रांची, हटिया, राउरकेला, झारसुगुड़ा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग आगमन 23.20 प्रस्थान 23.25 बजे, राजनांदगांव आगमन 23.41 प्रस्थान 23.43 बजे, डोंगरगढ़ आगमन 00.15 प्रस्थान 00.17 बजे एवं गोंदिया रात्रि 03.00 बजे पहुंचेगी।

इस विशेष ट्रेन में यात्रियों की सुविधा हेतु समुचित कोच संरचना एसएलआरडी- 2, जनरल- 5, स्लीपर-8, 3एसी- 2 एवं 2एसी-1 कुल 18 कोच रहेगी तथा यह पूर्णतः आरक्षित सेवा होगी। यात्रीगण अग्रिम आरक्षण कराकर यात्रा कर सकते हैं।

निगम के स्वास्थ्य अमला ने सफाई में दिखाई तत्परता

राजनांदगांव। दीपावली त्योहार के लिए लोग उत्साह से खरीदारी करते हैं। जिसके कारण बाजार सहित शहर के प्रमुख मार्ग के अलावा सभी क्षेत्रों में अत्याधिक भीड़ हो जाती है। साथ ही बड़े-छोटे दुकानों के अलावा ठेला, खोमचा, पसरा, लगाकर बाजार क्षेत्र एवं चौक-चौराहों में सामग्री विक्रय करने वालों के कारण भी अत्याधिक मात्रा में कचरा एकत्रित हो जाता है। उक्त कचरे की सफाई के लिए नगर निगम का स्वास्थ्य अमला ने तत्परता दिखाई और दीपावली के दूसरे दिन सुबह से शहर में चौक-चौराहों, मुख्य मार्गों व सड़कों मे फैले त्योहारी कचरे की सफाई किए। नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा स्वयं निरीक्षण कर स्वास्थ्य कर्मियों का हौसला बढ़ाया।

नगर निगम का स्वास्थ्य अमला सक्रिय भागीदारी निभाकर प्रतिदिन शहर की सफाई कार्य में लगे रहते हैं। एक ओर जहां सफाईकर्मी शहर की नाली व नालों की सफाई के अलावा चौक-चौराहों, मोहल्ले की सड़कों व गलियों का कचरा साफ करते हैं। वहीं स्वच्छता दीदीयां घर-घर कचरा संग्रहण कर एसएलआरएम सेंटर में कचरे का निपटान करते हैं। बरसात के पूर्व नाली-नालों तथा त्योहारी सीजन में व बड़े-छोटे आयोजनों के पश्चात गैंग के माध्यम से साफ-सफाई की जाती है, ताकि शहर का उक्त क्षेत्र साफ-सुथरा होकर पूर्व की स्थिति में आ जाए।

आयुक्त विश्वकर्मा स्वयं सुबह शहर में निरीक्षण कर सफाई कर्मियों का हौसला बताया। उन्होंने शहर के बाजार एवं मुख्य मार्गों के अलावा फ्लाई ओवर के नीचे साफ-सफाई देख कचरा उठाने कहा। उन्होंने कहा कि शहर में साफ-सफाई व्यवस्था दुरूस्त करें, नाली से कचरा निकालने के उपरांत कचरा तुरंत उठाएं।

अभियान चलाकर किया सफाई

हिन्दुओं का सबसे बड़ा पर्व दीपावली त्योहार जिसमें शहर में भीड़ का माहौल रहता है तथा दुकानों के अलावा चौक-चौराहों में ठेला-पसरा के कारण बाजार क्षेत्र एवं मुख्य मार्गों में भारी मात्रा में कचरा, प्लास्टिक, पालीथीन पेपर आदि एकत्रित हो जाता है, जिसे निगम के सफाई अमला ने दीवाली के दूसरे दिन सुबह से तत्परता के साथ कचरा उठाए। जयस्तंभ चौक, गंज चौक, नंदई चौक आदि चौक-चौराहों के अलावा बाजार एवं मुख्य मार्ग में सफाई अभियान चलाकर कचरा साफ किया गया।

किसानों के हित में खुलेंगे नवीन सोसाइटी केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ खैरागढ़

प्रदेश सरकार ने किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए खैरागढ़-छुईखदान-गंडई क्षेत्र में 26 नवीन सोसाइटी केंद्र खोलने की प्रशासनिक अनुमति प्रदान की है। यह निर्णय क्षेत्र के हजारों किसानों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है, जिससे उन्हें अब कृषि संबंधी कार्यों के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा।

इन सोसाइटी केंद्रों की स्थापना जिन ग्रामों में की जाएगी, उनमें मानपुर नाका, ढाबा, सम्बलपुर, भूर्भुसी, पथर्रा, कोर्राय, भुलाटोला, गातापार जंगल, चिचोला, बरबसपुर, कुकुरमुड़ा, साल्हेकला, सहसपुर, जामगांव, ठाकुरटोला, दामरी, भरतपुर, धनगांव, बघमर्रा, दिलीपपुर, कुम्ही, पांडुका, मदराकुही, देवारीभाठ, महरूमकला और भोथली (पाटा) शामिल हैं। केसीजी जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने इस फैसले पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप एवं क्षेत्रीय सांसद संतोष पांडेय के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह निर्णय किसानों के प्रति संवेदनशीलता और दूरदर्शिता को दर्शाता है। विक्रांत सिंह ने कहा कि इन केंद्रों के खुलने से किसानों को अब अपनी कृषि आवश्यकताओं के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। यह कदम किसानों के समय और संसाधनों की बचत करेगा और उनकी उत्पादकता को भी बढ़ावा देगा।

उन्होंने आगे कहा कि सोसाइटी केंद्रों के माध्यम से न केवल किसानों को बीज, खाद की उपलब्धता आसान होगी, बल्कि इन केंद्रों से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। इस निर्णय से किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद की जा रही है और यह क्षेत्रीय विकास में एक नई दिशा प्रदान करेगा। किसानों को सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे मिलने लगेगा, जिससे आत्मनिर्भरता को बल मिलेगा।

चोरी का आरोपी पकड़ाया आधा दर्जन के वाहन बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

शहर में लगातार हो रहे वाहनों की चोरी के मामले में पुलिस ने पतासाजी करते आरोपी को पकड़ा। जिससे 2 बुलेट, 6 बाइक व 2 मोपेट बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार 20 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक नंदकिशोर गौतम के नेतृत्व में राजनांदगांव कोतवाली क्षेत्र में हो रहे मोटर साइकिल चोरी में थाना कोतवाली में टीम गठित की गई। प्रोजेक्ट त्रिनेत्र की सहायता से दो साल जेल में निरूद्ध रहे आदतन आरोपी उमेश कुमार यादव की पहचान कर पतासाजी किया गया।

पुलिस ने 75 से अधिक सीसीटीवी कैमरा खंगाला : पुलिस के अनुसार ठाकुरटोला टोलप्लाजा से गोंदिया (महाराष्ट्र) तक 75 से अधिक सीसीटीवी कैमरा चेक कर वाहन एवं वाहन चोर की पतासाजी किया गया। सभी वाहनों की चोरी रूट आमगांव के बाद सीसीटीवी मिलना बंद हो जा रहा था। जिससे थाना आमगांव से संपर्क कर सीसीटीवी फुटेज एवं वाहन से संबंधित डाटा साझाकर सहायता लेकर आमगांव के लोकल नेटवर्क का उपयोग कर वाहन चोर को गिरफ्तार करने और उनसे चोरी गई 6 वाहनों की बरामदगी में सफलता मिली है। जिसमें कलेक्टोरेट के कर्मचारी की बुलेट, लखोली की बुलेट, दुर्ग की बाइक, भदोरिया चौक की बाइक, बाजार की 2 चोरी की बाइकें मिले हैं। पुलिस के मुताबिक इस चोरी में शामिल एक आरोपी मिथुन ईश्वरगिरी दिवनार्थी निवासी कवली भंडारा जेल में निरूद्ध है तथा एक नाबालिक विधि से संघर्षरत बालक बाल संपेषण गृह में है। इसी कम में वाहनों के मिलने से वाहन मालिकों में उत्साह है।

पेट्रोल खत्म होने पर वाहन को छोड़ देता था

देवरी थाना पुलिस की सहायता से गिरफ्तार कर पूछताछ कर शहर में हुए कलेक्टोरेट से नई स्कूटी, जलाराम के सामने की स्कूटी व मोटर साइकिल, पदमनापुर से मोटर साइकिल कुल 4 चोरी की वाहन बरामद की गई। आरोपी वाहन को चोरी कर पेटोल खत्म होने पर जहां-तहां छोड़ देता है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है।

दीपावली पर पंडालों में स्थापित हुई मां लक्ष्मी की प्रतिमा

राजनांदगांव। दीपावली पर्व के अवसर पर मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना के लिए शहर के विभिन्न जगहों पर पूजा पंडाल सजाया गया। यहां श्रद्धालु ने विधि-विधान के साथ मां लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सामुहिक पूजा-अर्चना कर अपने घर-परिवार में खुशहाली और समृद्धि की कामना की।

दीपावली अवसर पर घरों और प्रतिष्ठानों में मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। वहीं बीते कुछ वर्षों से शहर के विभिन्न जगहों पर पूजा पंडाल लगाकर मां लक्ष्मी तिरुपति में स्थापित करके पूजा-अर्चना भी की जाती है। यहां मोहल्ले के श्रद्धालुओं द्वारा सामुहिक रूप से पहुंचकर माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। इस वर्ष भी शहर के कई क्षेत्रों में मां लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित की गई।

धूमधाम से स्थापित हुई प्रतिमा

दीपावली के अवसर पर माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापना करने का दौर कुछ वर्षों से बढ़ने लगा है। पहले शहर के एक-दो जगह पर ही माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित की जाती थी। वहीं अब शहर के कई वार्डों में दीपावली पर्व के दौरान मां लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की जाती है।

प्रतिमा विराजित

शहर के अलग-अलग वार्डों में श्रद्धालुओं द्वारा मां लक्ष्मी की मनमोहन प्रतिमाएं स्थापित की गई। कुछ पूजा पंडालों में मां लक्ष्मी कमल के फूल पर विराजित नजर आई। शहर में लगभग चार दिनों के लिए लक्ष्मी पूजन से एक दिन पूर्व स्थापित गई गई मां लक्ष्मी की प्रतिमा विसर्जन का सिलसिला गोवर्धन पूजा के बाद प्रारंभ किया जाता है।

लोक परब का भव्य आयोजन आज

राजनांदगांव। शहर से सटे ग्राम तोरणकट्टा में 23 अक्टूबर को पारंपरिक मातर एवं लोक परब का आयोजन किया जा रहा है। सरपंच सैनजनक उइके ने बताया कि कार्यक्रम में रात्रि के समय लोगों के मनोरंजन हेतु छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें ग्राम जंगलपुर, पाड़ादाह तथा संगीत नगरी खैरागढ़ के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम की तैयारी जोरशोर से की जा रही है। आयोजन में उप सरपंच रेखलाल साहू, बबलू यादव, होरी यादव, गोकुल साहू, हेमंत साहू एवं विजय चंद्राकर की सक्रिय भूमिका रहेगी। ग्राम पंचायत ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस लोक परब का आनंद लें एवं सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने में भागीदार बनें।

महिलाओं का बाहर निकलना हुआ मुश्किल, असामाजिक तत्वों का बोलबाला

शराब की अवैध बिक्री से महिलाओं में बढ़ी नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईखदान

नगर पंचायत छुईखदान के वार्ड नंबर 1, 3, 4, 9, 10, 14, 15 में अवैध रूप से बिक रही शासकीय शराब और गांजा को लेकर स्थानीय निवासियों में गहरी नाराजगी देखने को मिल रही है। सुबह से ही इन इलाकों में शराबियों की भीड़ जुटती है, जिससे पूरा क्षेत्र एक तरह से शराब मेला बन गया है।

निवासियों का कहना है कि शराब माफिया और उनके बिचौलिए सक्रिय हैं, जो सरकारी दुकान से शराब लाकर सीधे मोहल्ले में ग्राहकों को बेचते हैं। कई बार शराबियों के झुंड सड़क किनारे खड़े रहते हैं, जिससे महिलाओं और बच्चों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय महिलाओं ने बताया कि शराब खरीदने वाले लोग अपनी मोटरसाइकिल बीच सड़क पर खड़ी कर लेते हैं, जिससे राहगीरों को परेशानी होती है। कई बार विरोध करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। लोगों में इस बात का डर है कि शराब माफियाओं से उलझने पर खतरा बढ़ सकता है।

चोरी की वारदात में हुआ इजाफा

नगर एवं क्षेत्र में इन दिनों चोरी की घटनाएं बढ़ गई है जिसमें पिछले दिनों छुईखदान के बाजार लाइन स्थित सोने चांदी की दुकान में हुई चोरी ने पूरे क्षेत्रवासियों को झकझोर कर रख दिया है। हालांकि पुलिस विभाग को कुछ सफलताएं भी मिली है जिसमें चोरों को पकड़ने कुछ हद तक कामयाबी मिली है, लेकिन आज भी एक चोर उनके पकड़ से बाहर है। ज्ञात हो को चोरी करने वाले लड़के कंडरा पारा और केवंट पारा वार्ड नंबर तीन और चार के रहने वाले है जहां पर गांजा और शराब बहुतायत में बिक रहा है। वैसे क्षेत्र के खुडमुडी, कनिमेरा, महराटोला, विरुटोला, कड़रा पारा, केवट पारा, टिकरी पारा वार्ड नंबर 1, 3, 4, 9, 10, 14, 15 वार्डों में अवैध शराब और गांजा विक्रय की शिकायत ज्यादा मिल रही है।

पुलिस प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

आम लोगों का कहना है कि खुलेआम सरकारी शराब का अवैध वितरण किया जा रहा है, फिर भी जिम्मेदार विभाग मौन है। स्थानीय नागरिकों ने वार्डों में पुलिस की नियमित ड्यूटी लगाने, बाहरी व्यक्तियों की पहचान कर कार्रवाई करने और क्षेत्र में कानून व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। ज्ञात हो कि नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब और गांजा को लेकर क्षेत्रवासी लगातार शिकायत करते रहे है, लेकिन कार्यवाही की कमी के कारण शराब कोचियों और गांजा विक्रय करने वाले लोगों का हौसला बढ़ा हुआ है।

पावडर और गोगो का बढ़ा चलन

क्षेत्र में इन दिनों पावडर और गोगो का चलन बढ़ गया है। युवा इस नशे के शिकार होते जा रहे है। नगर के बुद्धिजीवी लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे दुकानदारों या उनके ऊपर कार्य वाही करें, जो युवाओं को नशे की राह में धकेल रहे है।

हमारा कवर्धा प्रदेश का सबसे स्वच्छ हो इस संकल्प को लेकर कार्य कर रहे है: उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

राज्य मे प्रथम बार दीपावली के दिन स्वच्छता दीदीयों व कमांडो का मंत्री निवास में जलपान व स्नेहिल सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

पर्व से पूर्व और पर्व के उपरांत जो हाथ स्वच्छता का प्रकाश प्रसारित करते है ऐसे स्वच्छता दूतों का दीपावली के अवसर पर उप मुख्यमंत्री व स्थानीय विधायक विजय शर्मा ने अपने निज निवास पर नगरपालिका परिक्षेत्र के लगभग 200 सफाई श्रमिक कमांडो को आमंत्रित कर उनके साथ जलपान किया और सादर सम्मान करते हुए उपहार भेंट किया। गौरतलब है कि छतीसगढ़ राज्य मे दीपावली के अवसर पर प्रथम बार किसी मंत्री ने अपने निज निवास में ऐसा आत्मीय आयोजन साकारित कराया है। विदित हो कि नगर में जब भी त्यौहारों का उल्लास छाता है और घर-घर दीपों की जगमगाहट होती है, तब शहर की स्वच्छता व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं हमारे स्वच्छता दीदी और स्वच्छता कर्मी भाई जो प्रातः काल से लेकर देर तक सड़कों, मोहल्लों और सार्वजनिक स्थलों को चमकाते रहते हैं। इन्हीं निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले स्वच्छता कर्मियों के सम्मान आज उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने एक प्रेरणादायक पहल करते हुए नगर की लगभग दो सौ स्वच्छता टीम के महिला और पुरुष सदस्यों को फटाखे, मिठाई और उपहार भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी स्वच्छता कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली का वास्तविक अर्थ केवल घरों में दीप जलाना नहीं, बल्कि उन हाथों का सम्मान करना भी है जो हमारे नगर को रोजाना प्रदूषण और गंदगी से मुक्त करते हैं। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा की त्यौहारों से पूर्व नगर को साफ-सुथरा बनाए रखने का सबसे बड़ा दायित्व हमारी स्वच्छता टीम के दीदी और भाइयों का रहता है जो बिना किसी दिखावे के समाज के प्रति अपना कर्तव्य निभाते हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चन्द्रवंशी सहित जनप्रतिनिधि स्वच्छता दीदी, कमांडो उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने स्वच्छता कर्मियों को स्वच्छता के प्रकाश दीप बताते हुए कहा कि जिस प्रकार दीपक अंधकार को दूर करता है, उसी प्रकार ये स्वच्छता योद्धा हमारे समाज से गंदगी और अव्यवस्था को दूर कर स्वच्छता का संदेश फैलाते हैं। उन्होंने नगरवासियों से आग्रह करते हुए कहा कि इस दीपोत्सव पर इनका सच्चे मन से मान-सम्मान करें, इनका अभिवादन करें और दिल से धन्यवाद दें, क्योंकि यही हमारी वास्तविक कृतज्ञता होगी। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने में जिन लोगों ने सबसे बड़ी भूमिका निभाई है, वे हमारे यही स्वच्छता दीदी और भाई हैं, जिन्होंने जमीन पर रहकर इस अभियान को मजबूती प्रदान की है। उन्होंने नगर पालिका के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से भी अपील की कि वे समय-समय पर इन कर्मियों से संवाद स्थापित करें और इनके कार्यों की सराहना करते रहें। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता दीदियों ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि आज मिल रहे इस सम्मान से हमारा मनोबल कई गुना बढ़ा है और हम पूरी निष्ठा के साथ नगर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए सदैव संकल्पित रहेंगे।

डीप्टी सीएम ने स्वच्छता कर्मियों के अथक परिश्रम को सराहा

उन्होंने उपमुख्यमंत्री जी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं भी दीं। सभी स्वच्छता कर्मियों ने भी सामूहिक रूप से कवर्धा के स्थानीय विधायक विजय शर्मा के इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया है। ज्ञातव्य हो कि नगरवासियों ने नगर विधायक के इस आत्मीय पहल व प्रेरक कार्य की मुक्त कंठ से सराहना करते इसे प्रेरणादायी बताया। इस आत्मीय आयोजन पर उपस्थित समस्त लोगों ने स्वच्छता कर्मियों के अथक परिश्रम को सराहा। वरिष्ठ नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने भी स्थानीय विधायक द्वारा किए गए इस सम्मानजनक पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि वास्तव में समाज में सबसे अधिक सम्मान के हकदार वे लोग हैं जो बिना किसी कैमरे, मंच या चर्चा के प्रतिदिन सुबह से पहले जागकर पूरे नगर को चमकाने में जुट जाते हैं।

मातर मड़ाई मेला में उमड़ा उत्साह, ग्रामीण संस्कृति की झलक से गूंजा क्षेत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭बरबसपुर

दीपावली पर्व के पश्चात पारंपरिक रूप से आयोजित होने वाली गोवर्धन पूजा और राउत नाच के माध्यम से मातर मड़ाई मेला का भव्य आयोजन बरबसपुर में किया गया। इस सांस्कृतिक आयोजन में पूरे ग्रामवासियों सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। मेला स्थल लोगों की भीड़ से भरा रहा और पूरे क्षेत्र में लोक संस्कृति की रंगत देखते ही बन रही थी। जिला अध्यक्ष यादव समाज के धनी यादव ने जानकारी देते हुए कहा कि दीपावली के अगले दिन गौठान में गोवर्धन पूजा की जाती है, जिसके बाद मातर मड़ाई मेला प्रारंभ होता है। यह मेला यादव समाज की परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। इसमें राउत नाच, दोहा-साखी और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुनों के बीच युवा और बुजुर्गों ने मिलकर लोक संस्कृति का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि मातर मड़ाई का अर्थ है गाय-भैंसों की खुशहाली और गौवंश संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना। राउत नाच के माध्यम से ग्रामीणों ने भगवान गोवर्धन की पूजा का महत्व बताया और समाजिक एकता का संदेश दिया। मेले में स्थानीय कलाकारों ने आकर्षक झांकियां निकालीं, वहीं महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में पूजा-अर्चना कर मेला की शुरुआत की। पूरे ग्राम में उत्सवी माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने बताया कि यह मेला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि अपनी जड़ों, परंपराओं और गोवंश के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का पर्व है। मेले में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी वर्गों की सहभागिता रही। लगातार घंटों तक चली राउत नाच की प्रस्तुतियों ने लोगों का मनमोह लिया। मेला समिति द्वारा ग्रामीण भोजन व्यवस्था, पारंपरिक खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि दीपावली पर्व के बाद शुरू होने वाला मातर मड़ाई मेला अगामी कई दिनों तक इसी तरह हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा, जिसमें अन्य गांवों के लोग भी शामिल होंगे। इस सांस्कृतिक आयोजन ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति आज भी अपनी परंपराओं के संरक्षण के प्रति जागरूक और समर्पित है।

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने कवर्धा में मनाया दीपोत्सव

कवर्धा में महालक्ष्मी पूजन से गुंजायमान हुआ शंकरा भवन, दीपों की आभा में डूबा शहर

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

ज्योतिर्मठ बद्रीनाथ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने इस वर्ष छत्तीसगढ़ की धरती पर दिवाली का पर्व आध्यात्मिक उल्लास और वैदिक परंपराओं के साथ मनाया। राज्य शासन द्वारा उन्हें राज्य अतिथि का सम्मान प्रदान किया गया। शंकराचार्य के प्रवास से कवर्धा धर्म और अध्यात्म का केंद्र बन गया। शहर के कोने-कोने में दीपों की जगमगाहट के साथ वैदिक मंत्र ध्वनियां वातावरण को पवित्र करती रहीं। शंकरा भवन में महालक्ष्मी दीपावली पूजन बना मुख्य आकर्षण दीपावली की रात्रि में शंकरा भवन सीईओ चंद्र प्रकाश उपाध्याय निवास में भव्य महालक्ष्मी पूजन और रात्रि व्यापी आराधना का आयोजन हुआ, जिसमें शंकराचार्य स्वयं वेदाचार्यों के साथ उपस्थित रहे। भवन के प्रत्येक द्वार पर दीपों की लड़ी सजाई गई और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महालक्ष्मी का आवाहन कर छत्तीसगढ़ की उन्नति, समृद्धि और शांति का आशीर्वाद मांगा गया। पूरे परिसर में भक्तों के लिए चौबीस घंटे दर्शन की व्यवस्था रही। भजन-कीर्तन, वेदमंत्र और शंखनाद से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। दिव्य अलंकरण के साथ माँ महालक्ष्मी का महाअभिषेक किया गया। तत्पश्चात शंकराचार्य ने स्वयं भक्तों को पटाखा वितरण कर सभी के जीवन में प्रकाश और आनंद का संदेश दिया। विशेष उल्लेखनीय क्षण मध्यरात्रि में माँ काली मंदिर ठाकुरपार में वैदिक रीति से पूजा-अर्चना कर शंकराचार्य ने छत्तीसगढ़ की धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना को और सशक्त करने का आह्वान किया। रात्रि भर शंकरा भवन में दीप आराधना, सहस्त्रनाम जप और महालक्ष्मी स्तोत्र पाठ होता रहा।

दीपावली पर कवर्धा में भव्य स्वागत और पालकी यात्रा

दीपावली के दिन शंकराचार्य के कवर्धा आगमन पर नीलकंठ चंद्रवंशी के नेतृत्व में सैकड़ों दुपहिया वाहनों की बाइक रैली निकाली गई। अशोक वाटिका में पादुकापूजन के बाद धर्मध्वज चौक पर विशाल धर्मध्वज पूजन संपन्न हुआ। इसके पश्चात ऐतिहासिक पालकी यात्रा निकाली गई, जो शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई शंकरा भवन पहुँची। मार्ग में समाज के विभिन्न वर्गों, व्यापारी संघों और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पालकी यात्रा ने दीपावली के पर्व को आध्यात्मिक महोत्सव का स्वरूप प्रदान किया। गोवर्धन पूजा टाटीकसा में गौवंश संरक्षण का संदेश दिया व गोवर्धन पूजा के अवसर पर शंकराचार्य मीडिया प्रभारी अशोक साहू के गृह ग्राम टाटीकसा पहुँचे। गाँव की सीमा पर भक्तों ने बाइक रैली और वैदिक मंत्रों के साथ स्वागत किया। गौशाला में विशेष गौपूजन और पादुकापूजन के बाद शंकराचार्य ने कहा कि छत्तीसगढ़ की मिट्टी गौमाता की कृपा से समृद्ध है और इसका संरक्षण समाज का धर्म है।

गांव में आज भी गौरी-गौरा पर्व परंपरा के अनुसार धुमधाम से मनाया जाता है

हरिभूमि न्यूज ⏭कोलेगांव

विकासखंड पंडरिया के ग्रामीण क्षेत्र कोलेगांव भगतपुर मोहतरा कला कंझेटा सहित आसपास के गांव में छत्तीसगढ़ का परंपरा आज भी गांव में दीपावली के पावन पर्व पर गौरी-गौरा का उत्सव बड़ी धूमधाम से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गांव में देखने को मिला।

गांव में गौरी-गौरा का परंपरा के अनुसार के अनुसार रीति रिवाज से विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया और गांव में सुख शांति समृद्धि के लिए कामना किया गया पूरे गांव में भ्रमण किया गया जिसको एक झलक पाने के लिए गांव में उत्सव बना रहता है एवं गौरी-गौरा शिव पार्वती शंकर से अपने घर परिवार के सुख शांति के लिए कामना किया गया।

कृष्णा पुसाम बने छत्तीसगढ़ प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश सचिव

कई कुकदूर। अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस की अनुशंसा पर छत्तीसगढ़ प्रदेश आदिवासी कांग्रेस में ग्राम पुटपुटा निवासी कृष्णा पुसाम को प्रदेश सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ प्रदेश आदिवासी कांग्रेस द्वारा तत्काल प्रभाव से जारी की गई है। नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि पुसाम कांग्रेस पार्टी के सिद्धांतों और नीतियों पर चलते हुए संगठन को मजबूत बनाने तथा आदिवासी समाज के हितों के लिए निरंतर कार्य करेंगे। साथ ही संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी समय-समय पर प्रदेश मुख्यालय को देंगे। कृष्णा पुसाम वनांचल क्षेत्र से जनपद सदस्य रह चुके हैं और लंबे समय से सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय हैं। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्रवासियों, परिजनों और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

खबर संक्षेप

बरबसपुर में दीपावली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया

बरबसपुर। यह पर्व सोमवार और मंगलवार को मनाया गया। लोगों ने मिट्टी के दिए से घर आंगन द्वार तुलसी चौरा धार्मिक स्थल सामाजिक स्थल हैंडपंप, तालाब तथा खेत खलिहान और मुक्तिधाम पर दीप जलाकर सुख समृद्धि शांति मनोकामना के लिए प्रार्थना की गई और लक्ष्मी-गणेश की पूजा की, फल फूल नारियल मिठाईयों का प्रसाद आदान-प्रदान किया और पटाखे फोड़े गए दीपावली का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। इस वर्ष दीपावली पर्व भी दो दिन सोमवार व मंगलवार को मनाया गया ग्रामीण अंचलों में अधिकतर स्थानों पर सोमवार को दीपावली पर्व मनाया गया। कुछ स्थानों पर मंगलवार को भी दीपावली पर्व मनाया गया। इस अवसर पर लोगों ने लक्ष्मी-गणेश, कुबेर की पूजा अर्चना की गई लोगों ने मोबाइल के द्वारा एक दूसरे को दीपावली पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते रहे तथा मिठाई व गिफ्ट भेंट भी किए। बच्चों ने रात में जमकर आतिशबाजी के साथ पटाखे जलाए वह बड़ी धुमधाम से दीपावली पर्व मनाए।

आदिवासी नौनिहाल बच्चों तथा महिलाओं ने पारंपरिक छत्तीसगढ़ी सुआ नित्य की दी शानदार प्रस्तुति

हरिभूमि बरबसपुर। दीपावली के दिनों रचते हैं गौरा-गौरी का विवाह पूरी रसम निभाई जाती है आज भी आदिवासी गोड समाज में परंपरा कायम है जानकारी के अनुसार दीपावली का त्यौहार इस वर्ष दो दिनों तक ग्रामीण अंचलों में मनाई गई कई गांव में 20 अक्टूबर को और कई गांव में 21 अक्टूबर को दीपावली का त्यौहार मनाया गया और धूमधाम से बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक पटाखे जलाई गई और मां लक्ष्मी की पूजा पाठ कर दीप जलाकर शुभकामनाएं एवं सुख समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगी गई जानकारी के अनुसार दीपावली के दिन आदिवासी गोंड समाज में गौरा गौरी की विवाह की पुरी रसम की जाती है जो बाजा गाजा के साथ चुलमाटी निकली जाती है और मिट्टी लाकर घर में गौरी-गौरा की मूर्ति बनाकर रात भर गौरी-गौरा की विवाह रचकर पूरी रसम की गई गौरा-गौरी की बारात निकाली गई और पूजा पाठ विधि विधान से की गई जिसे आदिवासी गोंड समाज द्वारा आज भी कायम परंपरा बनी हुई है और सुबह होते ही गौरी-गौरा की विशाल रैली गांव के चौक चौराहे गली और धार्मिक स्थलों में भ्रमण किया गया। तब गौरा-गौरी की विसर्जन किया गया इसे लेकर आदिवासी समाज में उत्सव एवं जुनून बना रहा जिसे गौरा गौरी का अंतिम विसर्जन कर सुख समृद्धि शांति की मनोकामना की आशीर्वाद मांगे और यह देखने को ग्राम दौजरी सिंघनपुरी सारंगपुर खुर्द घुकसा में देखने को मिला।

सुआ नृत्य ग्रामीण अंचल में आज भी जीवित है

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

सुआ नृत्य छत्तीसगढ़ का एक पारंपरिक लोक नृत्य है, जो मुख्य रूप से महिलाओं और बालिकाओं द्वारा समूह में किया जाता है। यह धान की कटाई के बाद नई फसल के आगमन का जश्न मनाने के लिए दीपावली के अवसर पर शुरू होता है और अगहन मास तक चलता है। इसमें महिलाएं मिट्टी का तोता सुआ बनाकर टोकरी में रखती हैं और पारंपरिक गीतों के साथ नृत्य करती हैं जो प्रेम वियोग और देवी-देवताओं की कथाओं को व्यक्त करता है। पारम्परिक रूप से सुवा नृत्य करने वाली नारियां हरी साड़ी पहनती हैं जो पिंडलियों तक आती है, आभूषणों में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक आभूषण करधन, कड़ा, पुतरी होते हैं। सुआ गीत में तोता महिलाओं द्वारा अपनी आंतरिक भावनाओं और संदेशों को अपने प्रियजनों तक पहुंचाने के लिए एक प्रतीक है, महिलाएं तोते के माध्यम से अपने मन की व्यथा और बातों को व्यक्त करती हैं, इस विश्वास के साथ कि तोता उनके संदेश को उनके प्रियजनों तक पहुंचाने का काम करती है इसमें बांस की टोकरी में रखे धान के ऊपर मिट्टी के तोते सुआ की प्रतिमा रखी जाती है। महिलाएं इस टोकरी के चारों ओर एक घेरा बनाकर पारंपरिक नृत्य करती हैं। गायन में ताली की धुन का प्रयोग होता है, जिसमें अक्सर कोई वाद्य यंत्र नहीं होता। यह गीत लोक कथाओं और ग्रामीण जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है, जिसमें महिलाएं अपनी भावनाओं को सहजता से व्यक्त करती हैं।

तितरी में दिली दिवाली मिलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गूंजा गांव

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

रेंगाखार कला वनांचल 21 अक्टूबर को ग्राम पं. तितरी में मंगलवार को सत्यमेव जयते जनकल्याण समिति कवर्धा के बैनर तले दिली दिवाली मिलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से पंचायत सरपंच श्रीमती बीरोबाई अंतराम मेरावी के हाथों दीप प्रज्वलन से किया गया। व्यवस्थापना का दायित्व समिति के अध्यक्ष देवसिंह धुर्वे एवं उनकी टीम ने संभाला। जबकि मंच संचालन का कार्य लालसिंह मरकाम और प्रदीप परते मीडिया प्रभारी ने किया। दीपावली को और खास बनाने के लिए दिनभर कई मनोरंजक खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ में प्रथम रंजीत कुमार कुशरे एवं द्वितीय विश्वराज मेरावी, बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ में प्रथम अनुराधा मरकाम तथा द्वितीय रेशमा परते, बालक वर्ग 200 मीटर दौड़ में प्रथम कमलेश धुर्वे एवं द्वितीय गजानंद साहू, विवाहित महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम रमिला बाई व द्वितीय ममता बाई धुर्वे, रिकॉर्डिंग डांस प्रतिस्पर्धा में प्रथम मनीषा कुशरे तथा द्वितीय तनीषा कुशरे एवं भागेश्वरी मरकाम रहे। सभी प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को पटवारी श्रीमान हरलाल ध्रुव के द्वारा 251 रूपए एवं द्वितीय विजेता को समिति के द्वारा 151 रुपए नगद राशि से पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा सभी प्रतियोगिता में पंचायत परिवार द्वारा 100 रूपए अजय तुरकर द्वारा 50 रूपए हिगलेंश पटले द्वारा 50 रूपए और सुनील पटले द्वारा 50 रूपए तथा प्रबंधन समिति के द्वारा 50 -50 रुपए की निश्चित पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। सभी प्रतिभागी हर्षोलासित थे। समिति के इस पहल से पंचायत में दिन-भर खुशियों का माहौल बनी रही। पंचायत वासियों ने समिति के इस पहल की खूब सराहना की। गांव की महिलाओं के लिए पारंपरिक नृत्य सुआ व कर्मा नृत्य का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर उप सरपंच श्रीमती पुष्पा सुरेंद्र धुर्वे, पं. सचिव श्रीउपदेश मेरावी, प्रधानपाठिका श्रीमती मीरा पटले, प्रधानपाठक लक्ष्मण सिंह धुर्वे, सुंदर सिंह मेरावी, फारेस्ट गार्ड सुश्री बिम्लेश्वरी मरकाम, बीएलओ श्रीमती हेमेश्वरी क्षीरसागर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुश्री बिंदु मेरावी, श्रीमती कली मेरावी समिति सदस्य सुनील मेरावी, पुष्पेंद्र धुर्वे, संतोष कुशरे, हनुक मरकाम, गणमान्य नागरिक सुनील पटले, अजय तुरकर, हिंगलेश पटले, शंकर पटले सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं बच्चे उपस्थित थे।